श्री जम्भेश्वर भगवान जागण रो निवतो है लिरिक्स

श्री जम्भेश्वर भगवान,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है,
म्हारे चार भुजा रो नाथ,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है।**bd।**

ब्रम्हा विष्णु महेश गायत्री,
उमा रमा सरस्वती सावत्री,
रिध्दी सिध्दी लाईजो साथ,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है।**bd।**

राम लक्ष्मण और भरत शत्रुघ्न,
जनक दुलारी केसरी नंदन,
रिषी मुनी लाईजो साथ,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है।**bd।**

कृष्ण हलदर आठों पटराणी,
गोपी ग्वाल पांडव पांचाली,
संग लाइजो कुंन्ति मात,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है।**bd।**

कृपा कर सतगुरु जी आयजो,
सत शब्दां रो ध्यान लगायजो,
धरो शीश पर हाथ,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है।**bd।**

देवी देव सकल नर नारी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सतरी संगत में आयजो भारी,
गायणाचार्य लायजो साथ,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है।bd।

छोगाराम जम्भैश्वर आवो,
भरी सभा में रंग बरसावो,
करां ज्ञान री बात,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है।bd।

श्री जम्भेश्वर भगवान,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है,
म्हारे चार भुजा रो नाथ,
जागण रो निवतो है,
जी निवतो है।bd।

प्रेषक – जयप्रकाश सिँवर।
9602812689

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com